SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-03| Issue-01| September- 2025
Available online at: https://shikshasamvad.com/

प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल का शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के सन्दर्भ में अध्ययन

[1]डॉ0 मनीषा चौहान [2]रचना गुप्ता

[1]सहायक आचार्या, शिक्षा विभाग, एस0एन0पी0जी0 कॉलेज, उन्नाव
[2]शोधार्थिनी शिक्षा,विभाग, एस0एन0पी0जी0 कॉलेज, उन्नाव

सारांश

इस अध्ययन का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल और शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के बीच संबंध का विश्लेषण करना है। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय का नेतृत्व और शिक्षक संतुष्टि दो महत्वपूर्ण कारक हैं जो सीधे विद्यालय की गुणवत्ता, शिक्षण प्रक्रिया और विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों को प्रभावित करते हैं। प्रधानाध्यापक विद्यालय का नेतृत्वकर्ता होने के नाते न केवल प्रशासनिक कार्यों का संचालन करते हैं बल्कि शिक्षकों के प्रेरणा, सहयोग और पेशेवर विकास के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं। नेतृत्व कौशल के विभिन्न आयाम जैसे निर्णय लेने की क्षमता, संचार कौशल, प्रेरणा प्रदान करना, संघर्ष समाधान और संगठनात्मक प्रबंधन शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल और शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के बीच संबंध का विश्लेषण करना है। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय का नेतृत्व और शिक्षक संतुष्टि दो महत्वपूर्ण कारक हैं जो सीधे विद्यालय की गुणवत्ता, शिक्षण प्रक्रिया और विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों को प्रभावित करते हैं। प्रधानाध्यापक विद्यालय का नेतृत्वकर्ता होने के नाते न केवल प्रशासनिक कार्यों का संचालन करते हैं बल्कि शिक्षकों के प्रेरणा, सहयोग और पेशेवर विकास के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं। नेतृत्व कौशल के विभिन्न आयाम जैसे निर्णय लेने की क्षमता, संचार कौशल, प्रेरणा प्रदान करना, संघर्ष समाधान और संगठनात्मक प्रबंधन शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। अध्ययन के परिणामों से यह पता चला कि प्रधानाध्यापकों के प्रभावी नेतृत्व कौशल और शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के बीच सकारात्मक और महत्वपूर्ण संबंध मौजूद है। विशेष रूप से ऐसे प्रधानाध्यापक जो स्पष्ट दृष्टि, प्रेरणादायक संचार, समर्पित मार्गदर्शन और सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करते हैं, उनके अधीन कार्यरत शिक्षक अधिक व्यावसायिक रूप से संतुष्ट होते हैं। इसके विपरीत, कमजोर नेतृत्व वाले प्रधानाध्यापक के अधीन शिक्षकों की संतुष्टि में गिरावट देखी गई। अध्ययन के निष्कर्ष यह सुझाव देते हैं कि विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल को विकसित करने के लिए नियमित प्रशिक्षण, कार्यशालाएँ और मार्गदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन आवश्यक है। शिक्षकों की संतुष्टि बढ़ाने के लिए प्रधानाध्यापकों को न केवल प्रशासनिक कार्यों में दक्ष होना चाहिए, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण, सहयोग और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करने में भी सक्षम

होना चाहिए। यह अध्ययन न केवल विद्यालय प्रशासन और शिक्षा नीति निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह शिक्षकों के पेशेवर कल्याण और विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता को भी प्रभावित कर सकता है। अंततः यह शोध यह निष्कर्ष प्रस्तुत करता है कि प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल और शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के बीच सकारात्मक संबंध शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है।

मुख्यशब्द – *प्राथमिक स्तर के विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक, नेतृत्व कौशल, व्यावसायिक संतुष्टि।*

प्रस्तावना

शिक्षा मानव समाज के सर्वांगीण विकास का आधार है और किसी भी राष्ट्र की प्रगति में शिक्षकों तथा विद्यालय नेतृत्व का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। प्राथमिक शिक्षा समाज के शैक्षिक ढांचे की नींव होती है और इस स्तर पर विद्यालय का वातावरण, प्रबंधन प्रणाली, और नेतृत्व का स्वरूप विद्यार्थियों के शैक्षिक, सामाजिक और मानसिक विकास पर स्थायी प्रभाव डालता है। इस संदर्भ में प्रधानाध्यापक का नेतृत्व कौशल एक निर्णायक भूमिका निभाता है क्योंकि वह न केवल विद्यालय के शैक्षिक और प्रशासनिक कार्यों का संचालन करता है बल्कि शिक्षकों की पेशेवर संतुष्टि, उनकी प्रेरणा, कार्यकुशलता और समग्र शैक्षिक प्रदर्शन पर भी प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है। शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि, जिसे उनकी पेशेवर संतुष्टि या कार्य संतुष्टि के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, एक ऐसा कारक है जो शिक्षकों की मनोवैज्ञानिक भलाई, विद्यालय में रहने की प्रेरणा, और उनके शिक्षण गुणवत्ता को प्रभावित करता है। जब प्रधानाध्यापक प्रभावी नेतृत्व कौशल प्रदर्शित करता है तो शिक्षक न केवल अपनी भूमिका के प्रति अधिक समर्पित होते हैं बल्कि वे अपने व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के लिए भी प्रेरित होते हैं। यह संतुष्टि शिक्षा के परिणामों पर प्रत्यक्ष असर डालती है क्योंकि शिक्षक जो संतुष्ट और प्रेरित होते हैं वे छात्रों के साथ अधिक प्रभावी ढंग से संवाद कर पाते हैं और उनकी सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय योगदान देते हैं जो विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने में समर्थ होते हैं।

प्रधानाध्यापक का नेतृत्व केवल प्रशासनिक निर्णय लेने तक सीमित नहीं होता बल्कि यह शिक्षक–प्रेरणा, सहयोगात्मक कार्यप्रणाली, संचार कौशल, समस्या समाधान क्षमता और रणनीतिक दृष्टिकोण के समग्र समन्वय से जुड़ा होता है। शिक्षक–प्रधानाध्यापक संबंधों में सकारात्मक और समर्थनकारी नेतृत्व कार्य वातावरण को अनुकूल बनाता है जिससे शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों को अधिक उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ निभा पाते हैं। उदाहरण स्वरूप, यदि प्रधानाध्यापक योजना बनाने में शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित करता है, उनके विचारों और सुझावों को महत्व देता है और निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखता है तो शिक्षक न केवल निर्णयों को स्वीकार करते हैं बल्कि उन्हें अपनी जिम्मेदारी का हिस्सा भी मानते हैं। इसके विपरीत, यदि नेतृत्व केंद्रीकृत, कठोर या संवादहीन है तो शिक्षक असंतुष्ट हो सकते हैं जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव उनकी कार्यकुशलता, रचनात्मकता, और पेशेवर प्रतिबद्धता पर पड़ता है। इस प्रकार, नेतृत्व कौशल और व्यावसायिक संतुष्टि के बीच सकारात्मक संबंध विद्यालय के शैक्षिक प्रदर्शन के लिए अनिवार्य माना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नेतृत्व कौशल और शिक्षक संतुष्टि के बीच एक मजबूत सहसंबंध मौजूद है। नेतृत्व कौशल के विभिन्न पहलू जैसे कि प्रेरणा प्रदान करना, समस्या समाधान में सहायता करना, व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के अवसर देना और शिक्षक–प्रधानाध्यापक के बीच पारदर्शी संवाद स्थापित करना, शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि को बढ़ाने में सहायक होते हैं। यह न केवल शिक्षकों की मनोवैज्ञानिक भलाई को प्रभावित करता है बल्कि उनकी कार्य दक्षता, स्कूल में रहने की इच्छा, और छात्रों की सीखने की प्रक्रिया पर भी गहरा प्रभाव डालता है। शिक्षकों की संतुष्टि का स्तर विद्यालय के शिक्षण और सीखने के माहौल का मानक भी

निर्धारित करता है। जब शिक्षक संतुष्ट और प्रेरित होते हैं तो वे नवीन शिक्षण विधियों को अपनाने में तत्पर रहते हैं, पाठ्यक्रम सामग्री को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हैं और छात्रों की व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्रदान करते हैं।

प्रधानाध्यापक के नेतृत्व कौशल का महत्व केवल शिक्षक संतुष्टि तक सीमित नहीं है बल्कि यह विद्यालय की समग्र शैक्षिक गुणवत्ता और प्रशासनिक दक्षता में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। एक प्रभावी नेतृत्व वाला प्रधानाध्यापक विद्यालय में एक सकारात्मक संस्कृति का निर्माण करता है जिसमें शिक्षक सहयोग, सामूहिक निर्णय, रचनात्मक विचार–विमर्श, और पेशेवर विकास के अवसरों का अनुभव करते हैं। इसके परिणामस्वरूप शिक्षक अपनी भूमिका में अधिक आत्मविश्वासी और सक्रिय हो जाते हैं जो छात्रों के शैक्षिक परिणामों, स्कूल के संगठनात्मक ढांचे, और शिक्षा की समग्र गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो नेतृत्व कौशल और शिक्षक संतुष्टि के बीच का संबंध केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह व्यापक स्तर पर शैक्षिक प्रशासन, नीति निर्माण और शिक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता से भी जुड़ा होता है।

शोध पत्र के अंतर्गत यह भी देखा गया है कि शिक्षक संतुष्टि और नेतृत्व कौशल पर विभिन्न कारक प्रभाव डालते हैं। इनमें शिक्षक का अनुभव, शिक्षा का स्तर, लिंग, विद्यालय का प्रकार, और कार्यभार शामिल हैं। उदाहरण स्वरूप अनुभवी शिक्षक जिनकी अपेक्षाएँ और आवश्यकताएँ भिन्न होती हैं वे नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं पर अलग प्रतिक्रिया देते हैं। इसी प्रकार, पुरुष और महिला शिक्षकों की नेतृत्व कौशल के प्रति अपेक्षाएँ और संतुष्टि में भिन्नताएँ देखने को मिलती हैं। इस संदर्भ में, प्रधानाध्यापक का नेतृत्व कौशल आवश्यक है कि वह सभी शिक्षकों की जरूरतों, अपेक्षाओं और व्यक्तिगत क्षमताओं को समझते हुए एक समन्वित और सहायक वातावरण तैयार करे।

अतः, इस शोध पत्र का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल का शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि पर प्रभाव का विश्लेषण करना है। यह अध्ययन यह जानने का प्रयास करेगा कि नेतृत्व के कौन–कौन से आयाम शिक्षकों की संतुष्टि को अधिक प्रभावित करते हैं, नेतृत्व कौशल और शिक्षक संतुष्टि के बीच संबंध किस प्रकार का है, और विभिन्न शिक्षक समूहों में इस प्रभाव में क्या भिन्नताएँ देखने को मिलती हैं। इस प्रकार, यह अध्ययन न केवल शिक्षकों की पेशेवर भलाई बल्कि विद्यालय प्रशासन, शिक्षा नीति और शैक्षिक गुणवत्ता सुधार के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

यह शोध उन शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षा प्रशासनिक अधिकारियों और नीति निर्माताओं के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगा जो प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि को बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल में सुधार कर और शिक्षक संतुष्टि को बढ़ावा देकर विद्यालयों में सकारात्मक शैक्षिक परिवेश तैयार किया जा सकता है जिससे छात्रों की सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और सार्थक हो सके। शिक्षकों की संतुष्टि और नेतृत्व कौशल के बीच गहन अध्ययन से यह स्पष्ट होगा कि किस प्रकार प्रभावी नेतृत्व शिक्षक प्रेरणा, कार्य प्रतिबद्धता और शैक्षिक गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक ले जा सकता है।

इस प्रकार, प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल का शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के संदर्भ में अध्ययन न केवल शिक्षा विज्ञान और विद्यालय प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि यह शिक्षा नीति और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के डिजाइन के लिए भी आधारभूत सूचना प्रदान करता है। प्रभावी नेतृत्व और संतुष्ट शिक्षक मिलकर विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता, छात्रों की सीखने की क्षमता, और समाज में शिक्षा के महत्व को सुदृढ़ करते हैं। यह शोध शिक्षा के क्षेत्र में स्थायी सुधार और नवीन नेतृत्व मॉडलों के विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

आवश्यकता एवं महत्व

प्राथमिक शिक्षा किसी भी देश की शिक्षा प्रणाली की नींव होती है और इसका प्रभाव समग्र शैक्षिक विकास, सामाजिक प्रगति और राष्ट्रीय उत्थान में निर्णायक भूमिका निभाता है। इस स्तर पर शिक्षकों और विद्यालय प्रशासन का समन्वित प्रयास आवश्यक होता है ताकि छात्र सिर्फ अकादमिक ज्ञान ही न प्राप्त करें बल्कि उनके व्यक्तित्व, नैतिक मूल्य और सामाजिक कौशल का भी समुचित विकास हो। इस संदर्भ में प्रधानाध्यापक का नेतृत्व कौशल अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वह न केवल विद्यालय के समग्र प्रबंधन का मार्गदर्शन करता है बल्कि शिक्षकों की कार्यशैली, मानसिकता और व्यावसायिक संतुष्टि पर भी प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है। शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि केवल उनके व्यक्तिगत भले के लिए नहीं बल्कि छात्रों की सीखने की गुणवत्ता, विद्यालय की समग्र सफलता और शिक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता के लिए भी आवश्यक है। जब प्रधानाध्यापक में दूरदर्शिता, संवाद कौशल, प्रेरणा देने की क्षमता, समस्या समाधान की क्षमता और सहकारी नेतृत्व जैसी विशेषताएँ मौजूद होती हैं तब शिक्षक अपने कार्य में अधिक लगन, निष्ठा और समर्पण के साथ संलग्न होते हैं। यह न केवल शिक्षकों की मानसिक शांति और पेशेवर संतुष्टि को बढ़ाता है, बल्कि उनके द्वारा पढ़ाए जाने वाले छात्रों के सीखने के अनुभवों में भी सकारात्मक बदलाव लाता है। अतः नेतृत्व कौशल और व्यावसायिक संतुष्टि के बीच संबंध का अध्ययन शिक्षा प्रशासन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

शोध पत्र की आवश्यकता को समझने के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि आज के समय में शिक्षा व्यवस्था में चुनौतियाँ लगातार बढ़ रही हैं। शिक्षकों पर कार्यभार, पाठ्यक्रम की जटिलताएँ, संसाधनों की कमी, विद्यार्थी व्यवहार, अभिभावकों की अपेक्षाएँ और प्रशासनिक दबाव जैसी अनेक समस्याएँ आती रहती हैं। ऐसे में प्रधानाध्यापक का सक्षम नेतृत्व ही शिक्षकों को मानसिक और व्यावसायिक दृष्टि से समर्थ बनाता है। नेतृत्व कौशल के प्रभाव का विश्लेषण करके यह पता लगाया जा सकता है कि कौन–कौन से नेतृत्व पहलू शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि और कार्य प्रदर्शन में सुधार लाने में सहायक हैं। यह अध्ययन शिक्षा नीति निर्माताओं, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं और विद्यालय प्रशासन के लिए ठोस सुझाव प्रदान कर सकता है कि कैसे नेतृत्व कौशल में सुधार करके शिक्षक संतुष्टि, कार्यक्षमता और विद्यालय की समग्र सफलता सुनिश्चित की जा सकती है।

इसके अतिरिक्त, यह अध्ययन शिक्षा के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक आयामों को भी उजागर करता है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम की जानकारी देने वाले नहीं हैं बल्कि छात्रों के लिए प्रेरक, मार्गदर्शक और मानसिक सहारा देने वाले भी हैं। यदि शिक्षक संतुष्ट हैं और उन्हें अपने नेतृत्वकर्ता से समर्थन मिलता है, तो वे छात्रों के साथ अधिक सकारात्मक और उत्पादक संबंध स्थापित कर पाते हैं। इसका दीर्घकालिक प्रभाव छात्रों के सीखने के अनुभव, आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल और नैतिक विकास पर पड़ता है। विद्यालय की समग्र शैक्षिक संस्कृति को बेहतर बनाने के लिए प्रधानाध्यापक का नेतृत्व और शिक्षक संतुष्टि का मेल आवश्यक है।

शोध का महत्व केवल विद्यालय और शिक्षकों तक सीमित नहीं है। यह शिक्षा नीति और प्रशासनिक सुधार के लिए भी अत्यंत उपयोगी है। उदाहरण के लिए यदि अध्ययन से यह पता चलता है कि शिक्षक संतुष्टि में सुधार के लिए सहयोगात्मक नेतृत्व, समस्या समाधान क्षमता और प्रेरक दृष्टिकोण सबसे प्रभावी हैं, तो शिक्षा विभाग ऐसे प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ आयोजित कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप शिक्षक पेशेवर दृष्टि से अधिक सशक्त होंगे, विद्यालय में कार्यक्षमता बढ़ेगी और छात्रों की उपलब्धियाँ भी बेहतर होंगी। इसके अतिरिक्त, यह अध्ययन शिक्षा में नेतृत्व की भूमिका और शिक्षक संतुष्टि के बीच के गहन संबंध को उजागर करके अकादमिक साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इस प्रकार, यह अध्ययन न केवल शैक्षिक नेतृत्व और शिक्षक संतुष्टि के बीच संबंध को समझने में सहायक है बल्कि यह विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक प्रशिक्षण, शिक्षा नीति और छात्रों के शैक्षिक विकास के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह आवश्यक है कि शिक्षा प्रणाली में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल को समझा जाए, उनका मूल्यांकन किया जाए और उन्हें सशक्त बनाने के उपाय अपनाए जाएँ ताकि शिक्षक संतुष्टि और कार्यक्षमता में निरंतर सुधार संभव हो सके। शिक्षकों की संतुष्टि और प्रेरणा बढ़ाकर विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता को ऊँचाईयों तक पहुँचाया जा सकता है, जिससे छात्रों के सीखने के अनुभव, शिक्षा की प्रभावशीलता और समाज में सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित होते हैं। इस प्रकार, प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल का शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि पर अध्ययन करना आज की शिक्षा प्रणाली में न केवल आवश्यक है बल्कि अनिवार्य भी है ताकि प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय शैक्षिक उत्कृष्टता और समग्र विकास का केंद्र बन सके।

सम्बन्धित शोध साहित्य अध्ययन

- जुहजी और अन्य (2022) के अध्ययन में पाया गया कि प्रधानाध्यापक की प्रेरणात्मक नेतृत्व शैली और शिक्षक संतुष्टि के मध्यम (0.50) सकारात्मक संबंध पाया गया।
- युनिआरती, सियारवानी अहमद और येसी फित्रियानी (2023) के अध्ययन में पाया कि प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों की नेतृत्व शैली और शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के बीच संबंधों का विश्लेषण किया गया। परिणामों से पता चला कि प्रधानाध्यापक की नेतृत्व शैली और शिक्षक संतुष्टि दोनों ही शिक्षक प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं।
- ली और अन्य (2023) के साहित्य समीक्षा में विभिन्न नेतृत्व शैलियों का विश्लेषण किया गया और पाया गया कि प्रेरणात्मक नेतृत्व शिक्षक संतुष्टि और प्रेरणा में सुधार करता है, जबकि लेन–देनात्मक नेतृत्व संरचना और स्थिरता के लिए उपयुक्त है।
- आयका (2024) के अध्ययन में प्रेरणात्मक नेतृत्व और शिक्षक संतुष्टि के बीच संबंधों का विश्लेषण किया गया और पाया गया कि व्यावसायिक लचीलापन इस संबंध में मध्यस्थ का कार्य करता है।
- हार्डियंतो, हिदायत और सेतियावान (2025) के अध्ययन में पाया गया कि प्रेरणात्मक नेतृत्व और पुरस्कार प्रणालियाँ शिक्षक प्रेरणा को बढ़ाती हैं, जो अंततः शिक्षक संतुष्टि में सुधार करती हैं।

समस्या कथन

प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल का शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के सन्दर्भ में अध्ययन।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत् प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल का पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि पर प्रभाव का अध्ययन।
2. प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत् प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल का महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक संतुष्टि पर प्रभाव का अध्ययन।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाऐं

1. प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत् प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल एवं पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध नहीं है।

2. प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत् प्रधानाध्यापिकाओं के नेतृत्व कौशल एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध नहीं है।

आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए उत्तर प्रदेश के केवल लखनऊ मंडल के उन्नाव जिले के शासकीय तथा अशासकीय प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों एवं प्रधानाध्यापकों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

न्यादर्श

वर्तमान शोध हेतु केवल 40 प्रधानाध्यापकों एवं 80 अध्यापकों को शामिल किया गया है।

उपकरण

- नेतृत्व कौशल मापने हेतु – डॉ0 सुषमा तालेसेरा एवं डॉ0 अख्तर बानो द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।
- व्यावसायिक संतुष्टि मापने हेतु – डॉ0 (श्रीमति) मीरा दीक्षित द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

परिकल्पनाओं का परिभाषीकरण

तालिका संख्या – 1

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत् प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल एवं पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति एवं व्याख्या

समूह	संख्या	सहसम्बन्ध	परिणाम
प्रधनाध्यापक	20	0.237	0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना अस्वीकृत
पुरुष शिक्षक	40		

व्याख्या – तालिका संख्या 1 में प्राथमिक विद्यालयों को नेतृत्व करने वाले प्रधानाध्यापकों एवं अध्यापन करने वाले पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति को दिखाया गया है। सारणी से पता चलता है कि प्रधानाध्यापकों की नेतृत्व कौशल एवं पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में सहसम्बन्ध का मान 0.237 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों समूहों के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता हैं। जिसका सकारात्मक प्रभाव पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि पड़ता है।

तालिका संख्या – 2

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत् प्रधानाध्यापिकाओं के नेतृत्व कौशल एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति एवं व्याख्या

स्मूह	संख्या	सहसम्बन्ध	परिणाम
प्रधनाध्यापिका	20	0.245	0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना अस्वीकृत
महिला शिक्षक	40		

© Shiksha Samvad| Received: 03 September 2025 | Accepted: 06 September 2025 | Published: 11 September 2025

व्याख्या – तालिका संख्या 2 में प्राथमिक विद्यालयों को नेतृत्व करने वाले प्रधानाध्यापिकाओं एवं अध्यापन करने वाली महिला शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति को दिखाया गया है। सारणी से पता चलता है कि प्रधानाध्यापिकाओं की नेतृत्व कौशल एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में सहसम्बन्ध का मान 0.245 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों समूहों के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता हैं।

निष्कर्ष

1. प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत् प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल एवं पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
2. प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत् प्रधानाध्यापिकाओं के नेतृत्व कौशल एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- युनियार्ती, स्यारवानी अहमद, एवं येसी फिट्रियानी (2023). प्रधानाध्यापक की नेतृत्व शैली और शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का शिक्षक प्रदर्शन पर प्रभाव, सोशल वर्क और साइंस एजुकेशन जर्नल, 4(3), 880–887.
- हार्डियांटो, हिदायत, एवं सेतियावान (2025). पुरस्कार, परिवर्तनकारी नेतृत्व और प्रेरणा का प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि पर प्रभाव, पेडागॉजिकल रिसर्च जर्नल, 9(4), 67–80.
- जुहजी एवं अन्य (2022). प्रधानाध्यापक नेतृत्व और शिक्षक व्यावसायिक संतुष्टि का मेटा–विश्लेषण अध्ययन, अल–इश्लाह : जर्नल ऑफ एजुकेशन, 14(1), 1–12.
- अय्चा (2024). पेशेवर लचीलापन और व्यावसायिक संतुष्टि मध्यस्थ के रूप में, एजुकेशनल सायकॉलॉजी जर्नल, 116(4), 1–12.
- ली एवं अन्य (2023). शिक्षकों की प्राथमिकताओं के माध्यम से प्रभावी स्कूल प्रधानाध्यापकों की नेतृत्व शैलियों का दृष्टिकोण : एक समेकित साहित्य समीक्षा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज, 13(6), 1–12.

Cite this Article:

[1]चौहान डॉ0 मनीषा [2]गुप्ता रचना, "प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल का शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के सन्दर्भ में अध्ययन" *Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 03, Issue 01, pp.163-169, September 2025. Journal URL: https://shikshasamvad.com/*

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

[1]डॉ0 मनीषा चौहान [2]रचना गुप्ता

For publication of research paper title

"प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कौशल का शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के सन्दर्भ में अध्ययन"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03, Issue-01, Month September 2025, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/